गुलाम और शेर

एन्ड्रोक्लीज़ एक गुलाम था. वो नम्र और दयालु था लेकिन उसमें स्वतंत्रता की प्रबल इच्छा थी. एक दिन वो अपने क्रूर स्वामी से बचने के लिए एक घने जंगल में भाग गया.
जंगल में एन्ड्रोक्लीज़ को एक शेर मिला जिसे चोट लगी थी और वो आहत था. एन्ड्रोक्लीज़ घबरा गया. लेकिन एक जंगली जानवर के लिए एन्ड्रोक्लीज़ के दिल में दया जागी और उसने अपने डर पर काबू पाया. एन्ड्रोक्लीज़ ने शेर की मदद की.

एन्ड्रोक्लीज़ और शेर की इस कहानी ने बहुत से कायर लोगों को भी करुणा के लिए प्रेरित किया है. पॉल गैल्डन ने अद्भुत और सुन्दर चित्रों से इसे सजाया है.
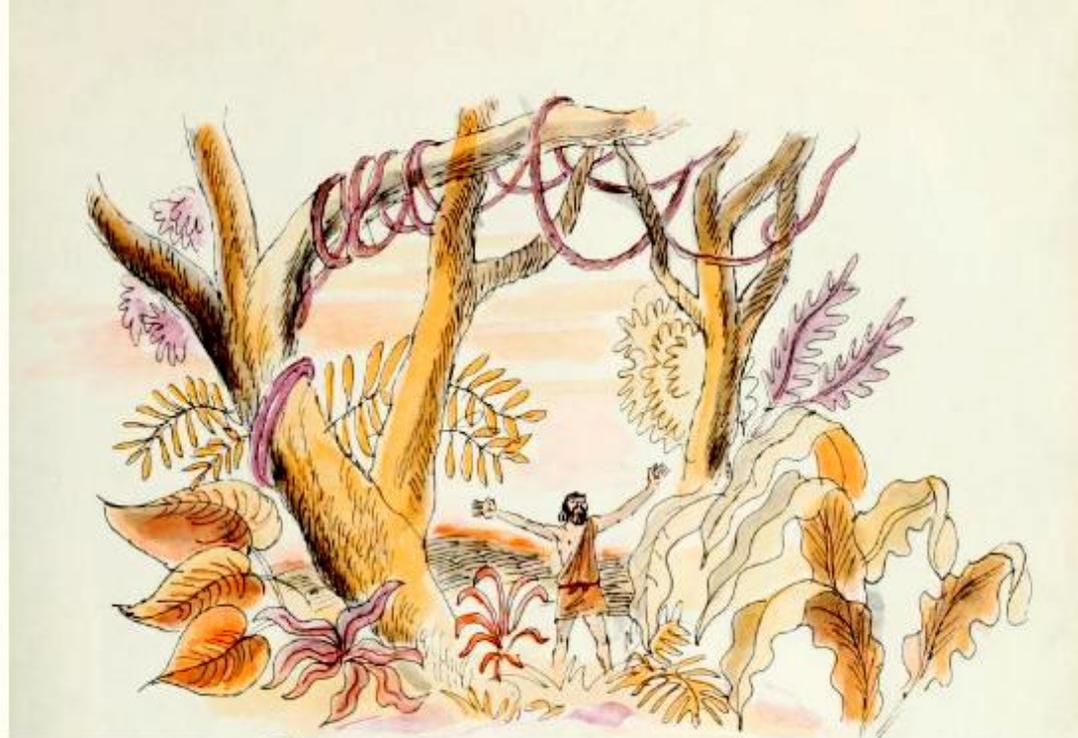
बहुत पहले प्राचीन रोम में एन्ड्रोक्लीज़ नामक एक दास था.
उसका मालिक बहुत क्रूर था.
"मुझे मेरी आज़ादी चाहिए!" एन्ड्रोक्लीज़ ने एक दिन खुद से कहा.
फिर एक रात, जब सब लोग सो रहे थे, तो एन्ड्रोक्लीज़ घने जंगल में भाग गया.
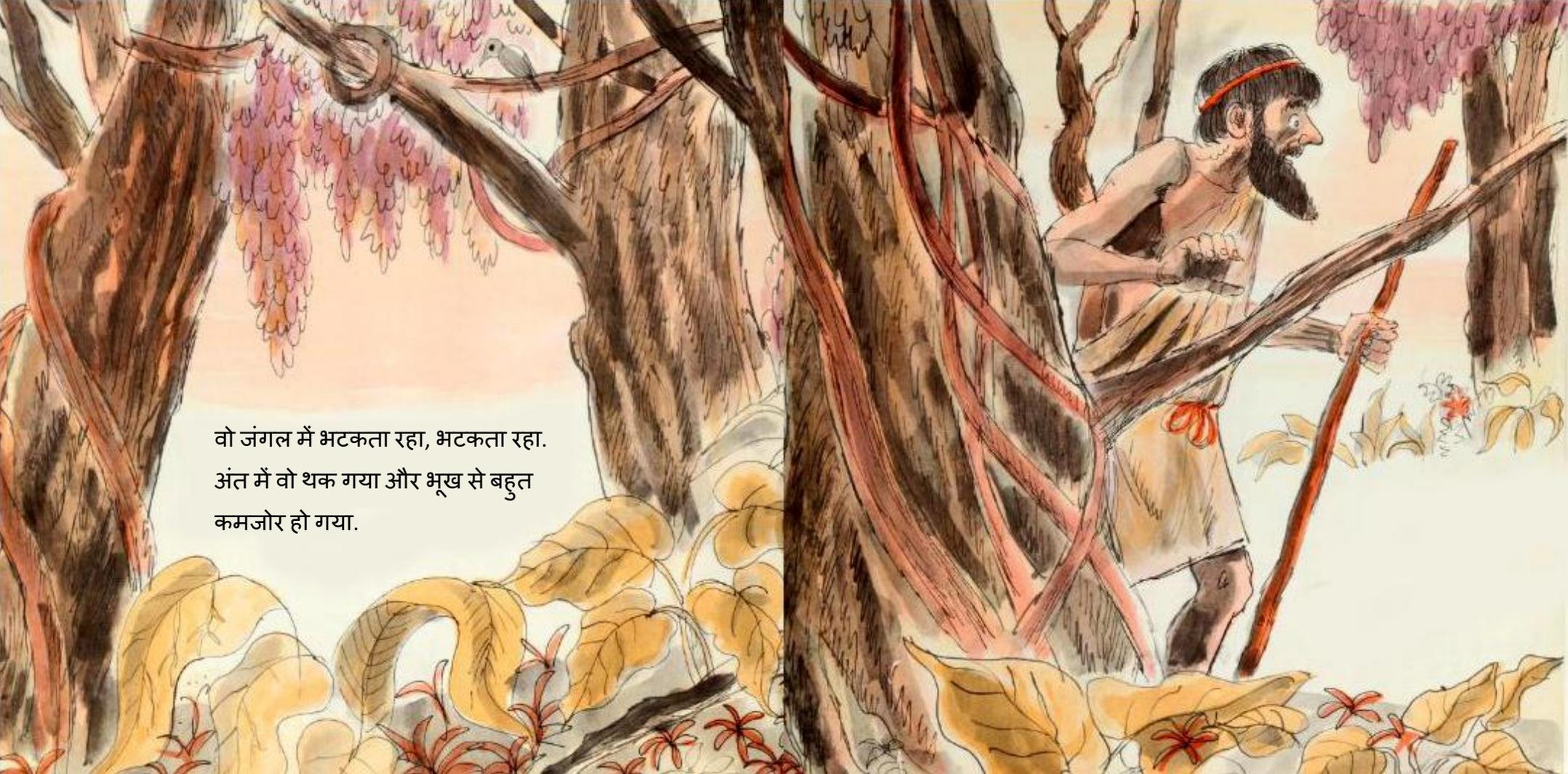
वो जंगल में भटकता रहा, भटकता रहा. अंत में वो थक गया और भूख से बहुत कमजोर हो गया.

जंगल में एक उदास शेर बहुत
ज़ोर-ज़ोर से कराह रहा था.
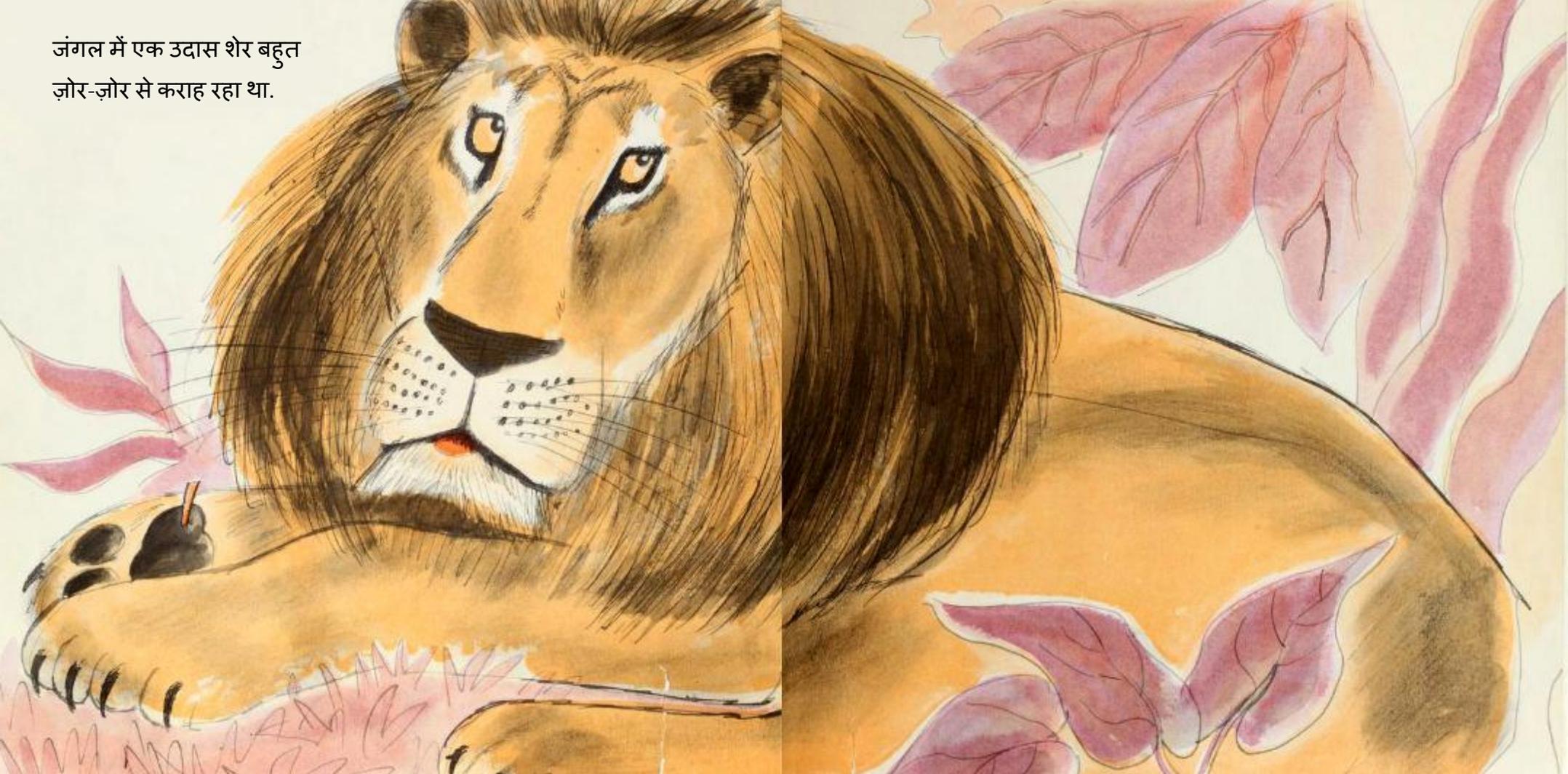
एन्ड्रोक्लीज़, शेर को देखते ही डर से कांपने लगा और तेज़ी से भागने लगा.
लेकिन शेर ने उसका पीछा नहीं किया.
शेर बहुत दुखी होकर और ज़ोर से रोने लगा. शेर को देखकर
एन्ड्रोक्लीज़ मुड़ा और धीरे-धीरे करके वो शेर के पास गया.
शेर अपनी जगह से बिल्कुल भी नहीं हिला.
तब एन्ड्रोक्लीज़ ने देखा कि शेर के दाहिने हाथ का पंजा
सूजा हुआ था और उसमें से खून बह रहा था.
पंजे में एक बहुत बड़ा काँटा गहराई तक घुसा था,
उससे शेर को भीषण दर्द हो रहा था.
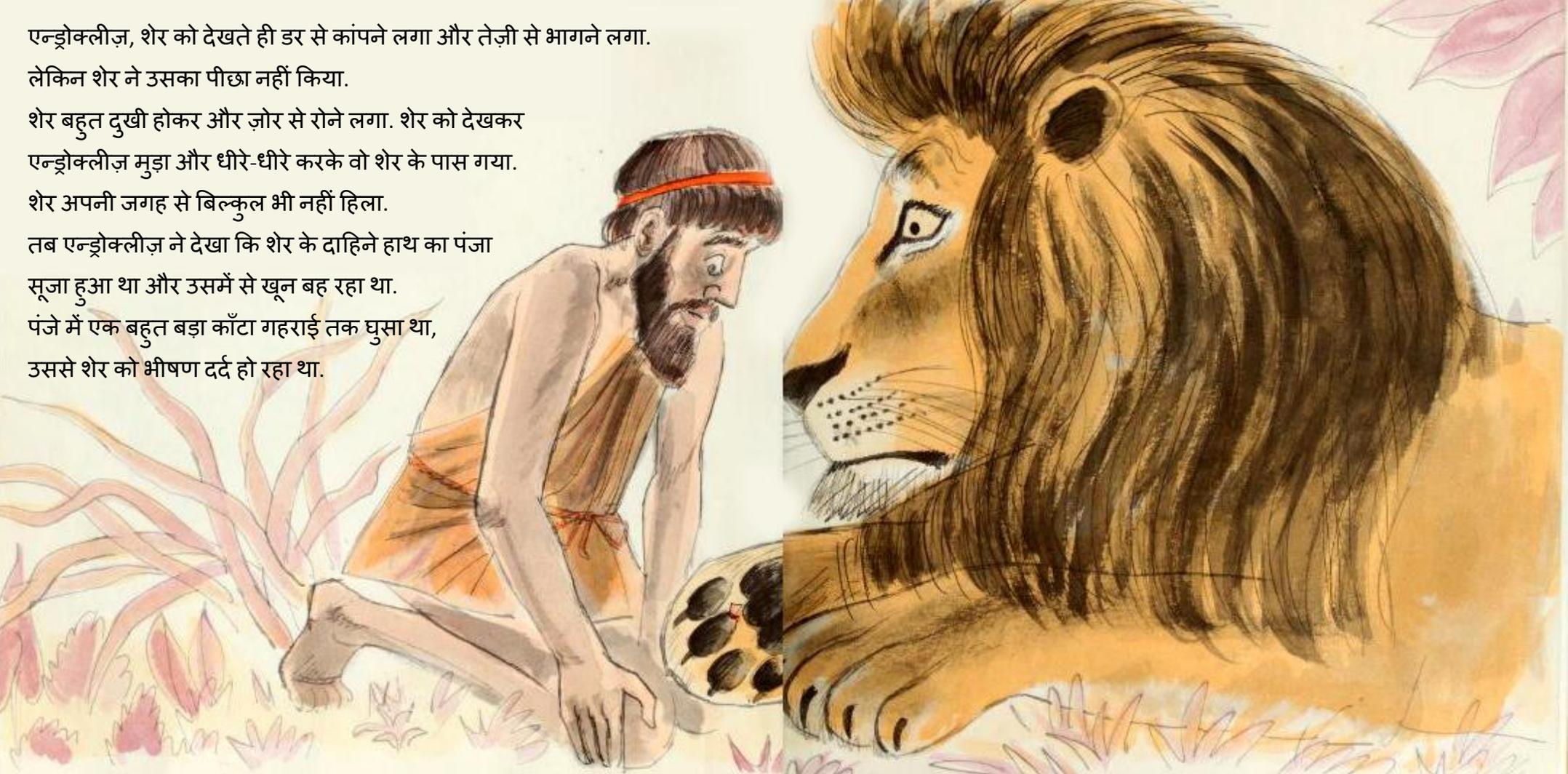
जैसे ही एन्ड्रोक्लीज़ ने अपनी उंगलियों से कांटे को पकड़ा,
शेर ज़ोर से दर्द के मारे चिल्लाया और एन्ड्रोक्लीज़ डर से कांपने लगा.
एन्ड्रोक्लीज़ ने बहुत दम लगाकर काँटा खींचा.
कांटा एक झटके में बाहर निकल आया!
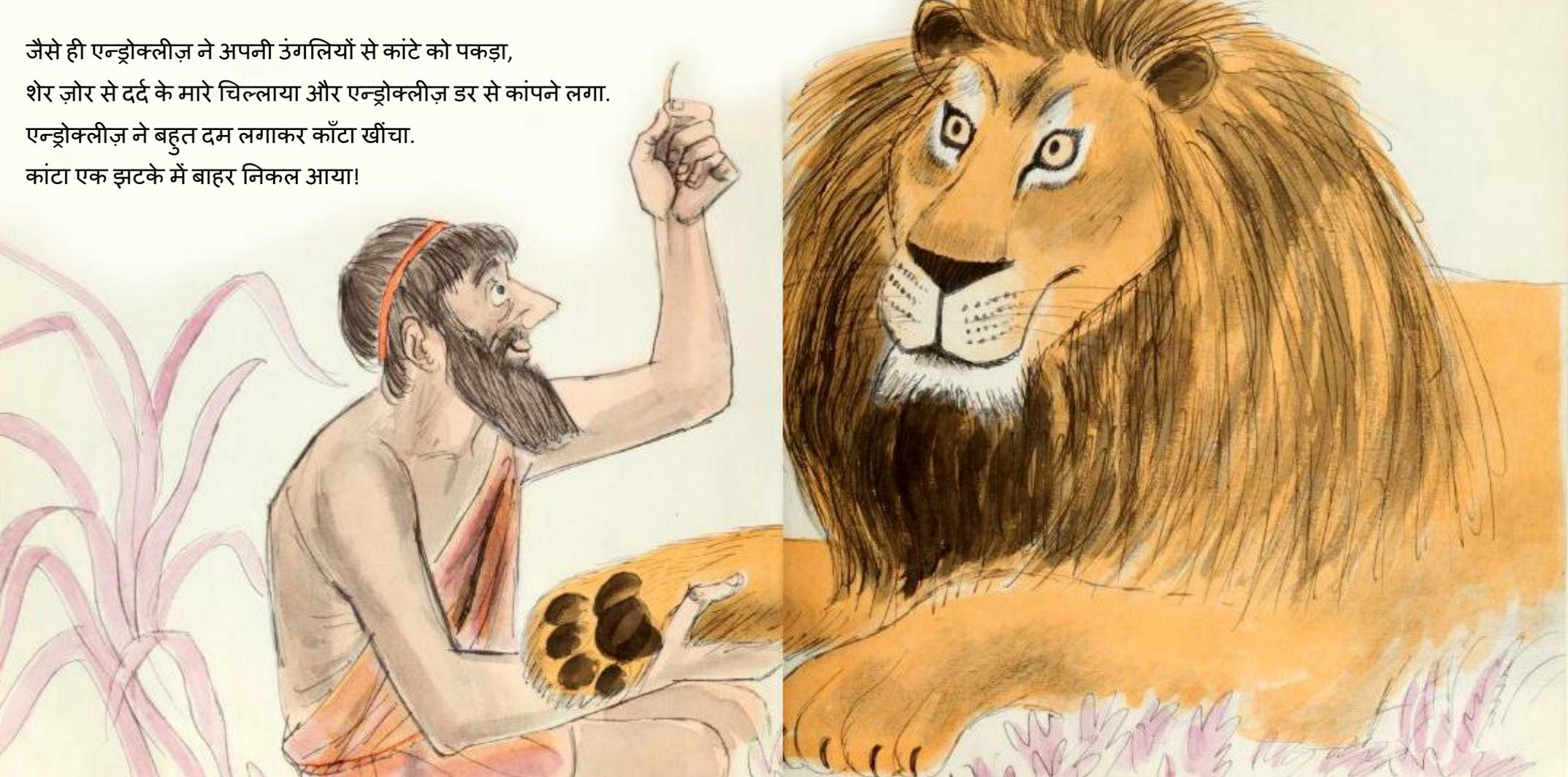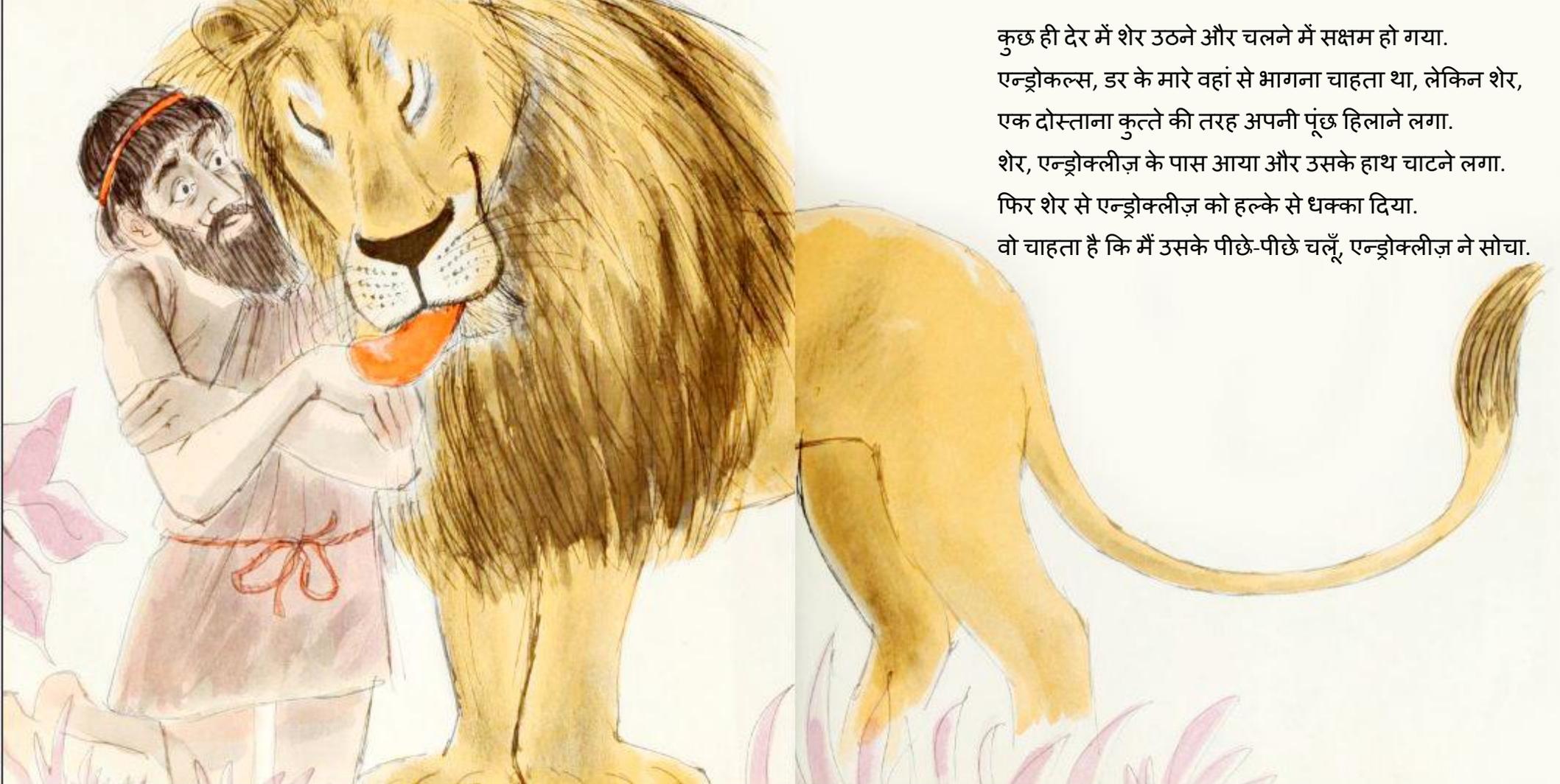
कुछ ही देर में शेर उठने और चलने में सक्षम हो गया.

एन्ड्रोकल्स, डर के मारे वहां से भागना चाहता था, लेकिन शेर,

एक दोस्ताना कुत्ते की तरह अपनी पूंछ हिलाने लगा.

शेर, एन्ड्रोक्लीज़ के पास आया और उसके हाथ चाटने लगा.

फिर शेर से एन्ड्रोक्लीज़ को हल्के से धक्का दिया.

वो चाहता है कि मैं उसके पीछे-पीछे चलूँ, एन्ड्रोक्लीज़ ने सोचा.

जल्द ही एन्ड्रोक्लीज़,
शेर की गुफा में पहुंचा.
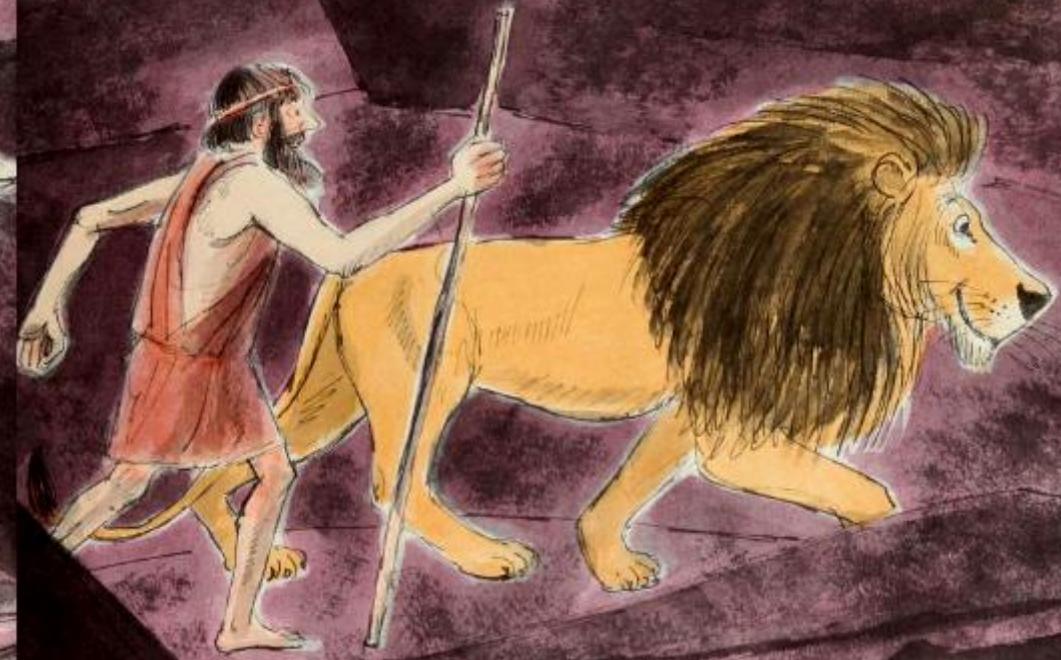
एन्ड्रोक्लीज़ बहुत थका हुआ था इसलिए वो आराम करने के लिए गुफा में ही लेट गया. अब एन्ड्रोक्लीज़ खुश था. उसे एक दोस्त और सोने के लिए एक अच्छी जगह मिल गई थी. शेर उसे हर दिन मांस के टुकड़े लाकर देता था.

अब वे दोनों खुश थे. फिर ...
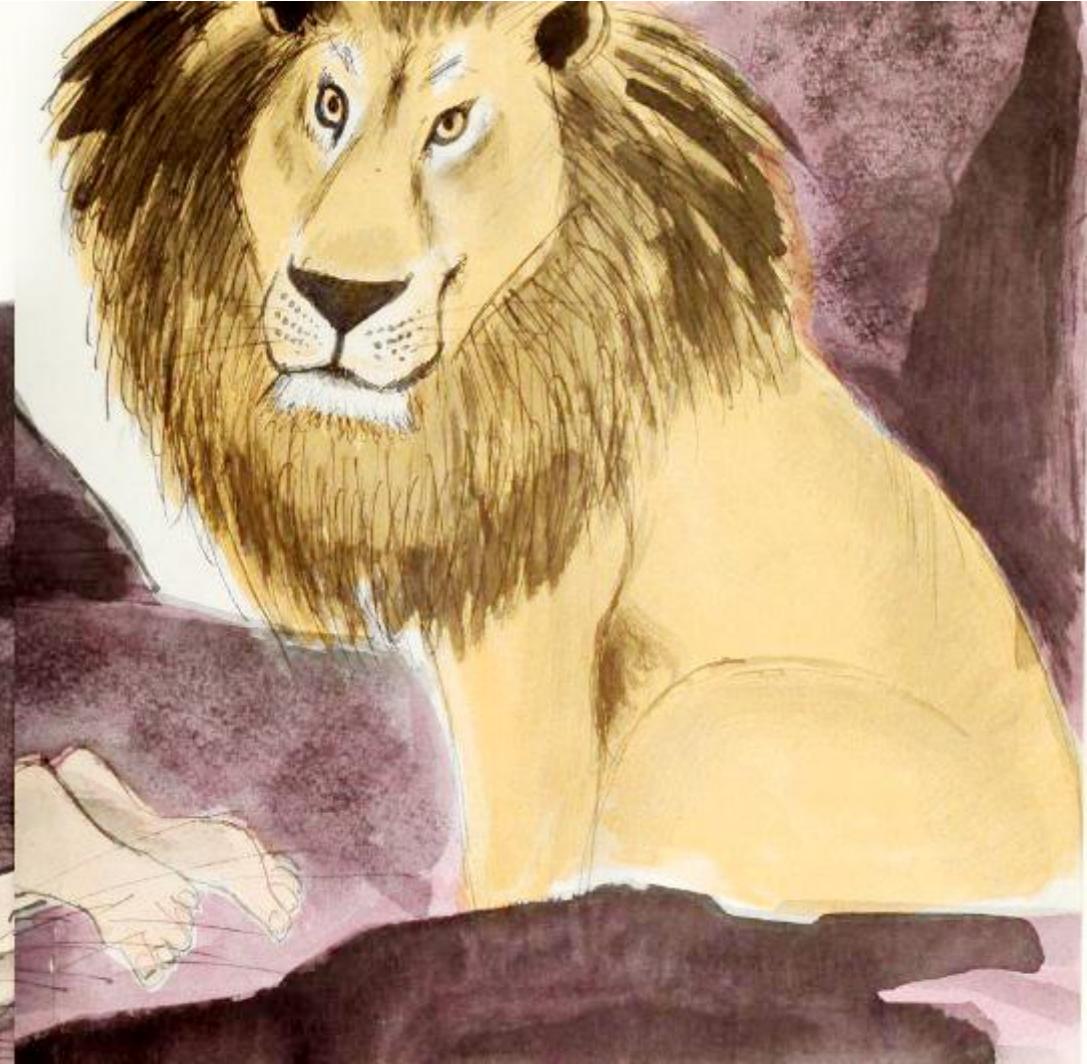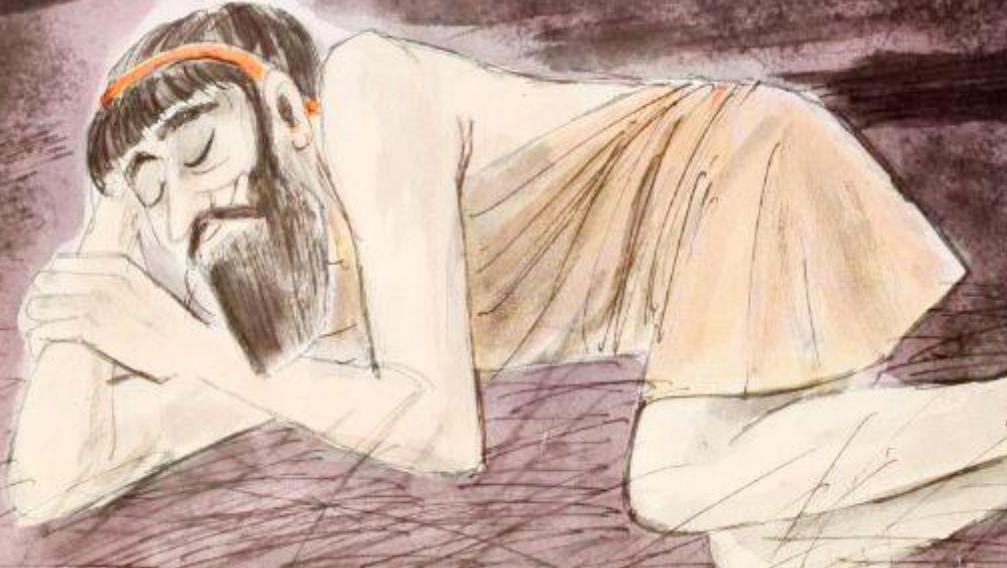
... एक दिन जब शेर शिकार करने बाहर गया था तो बादशाह के सैनिकों की एक टुकड़ी जंगल में गुलाम की तलाश करने आई. उन्होंने एन्ड्रोक्लीज़ को गुफा में सोते हुए पाया. सैनिक, एन्ड्रोक्लीज़ को बांधकर राजा के महल में ले गए.

उन दिनों भगोड़े दासों को एक भूखे शेर से लड़ने की सजा मिलती थी. तब अखाड़े में सम्राट समेत हजारों लोग इस मनोरंजन को देखने के लिए इकट्ठा होते थे.

सैनिकों ने एन्ड्रोक्लीज़ को एक अँधेरे जेल की कोठरी में डाल दिया. एन्ड्रोक्लीज़ अपने अंतिम दिन का इंतजार करने लगा.

एक भयानक शेर को एक पिंजरे में लाया गया और लड़ाई वाले दिन उसे भूखा रखा गया.

जेल की कोठरी में से एन्ड्रोकल्स, शेर की भयावह दहाड़ को सुन सकता था. दहाड़ से लगा कि वो शेर बहुत भूखा था.
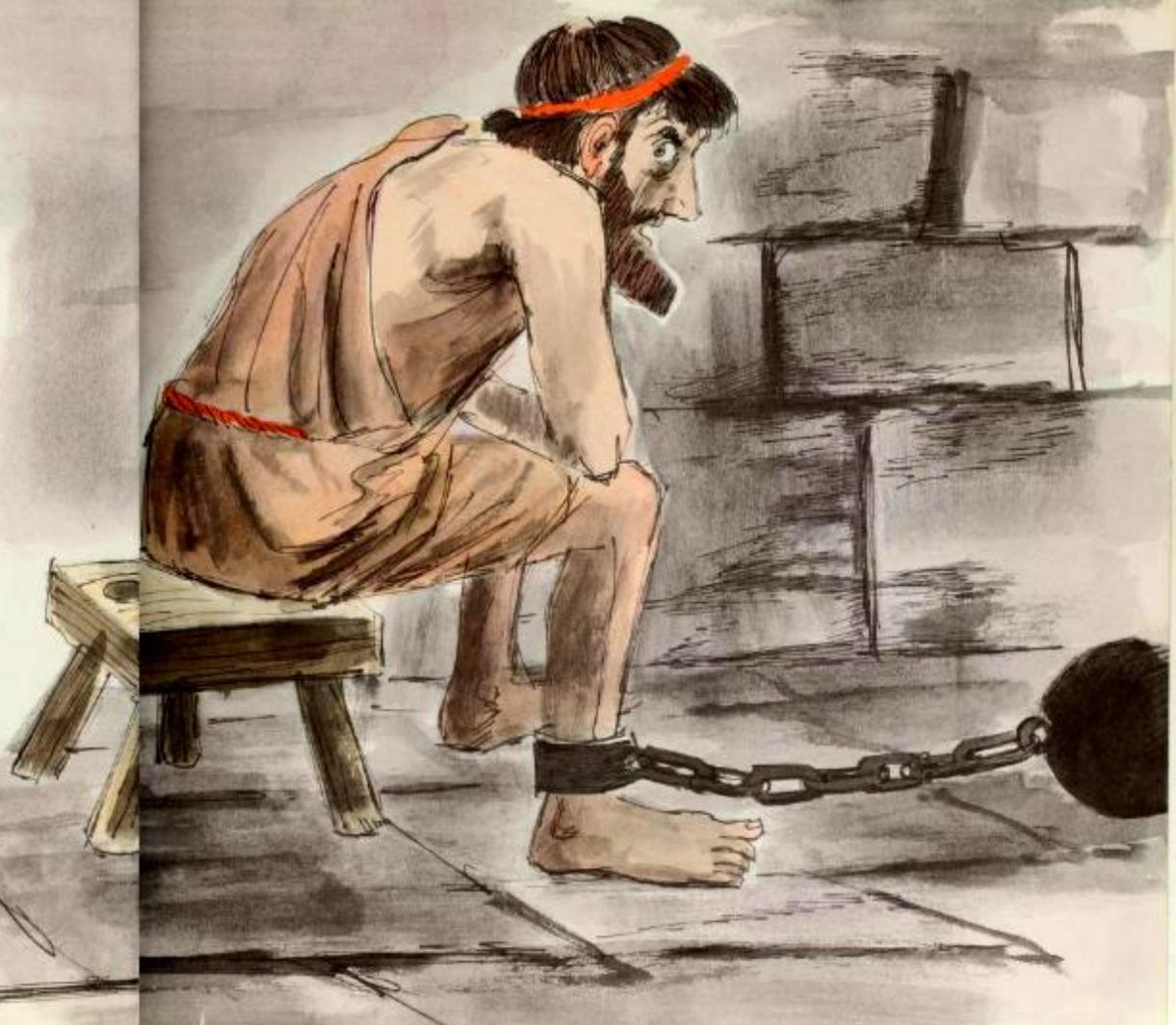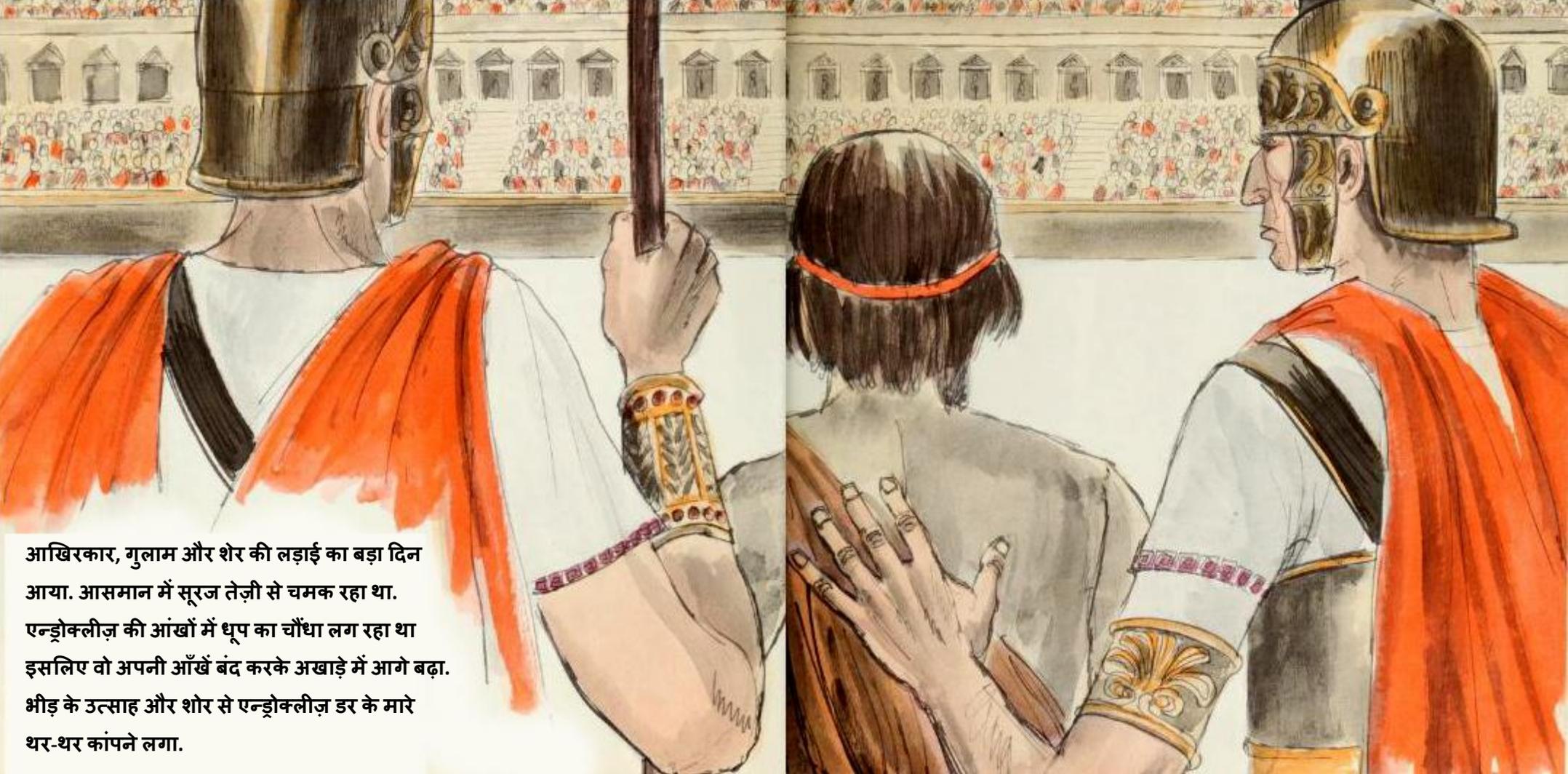
आखिरकार, गुलाम और शेर की लड़ाई का बड़ा दिन आया. आसमान में सूरज तेज़ी से चमक रहा था. एन्ड्रोक्लीज़ की आंखों में धूप का चौंधा लग रहा था इसलिए वो अपनी आँखें बंद करके अखाड़े में आगे बढ़ा. भीड़ के उत्साह और शोर से एन्ड्रोक्लीज़ डर के मारे थर-थर कांपने लगा.

सिंहासन पर सम्राट अपने दरबारियों के साथ हँस रहे थे और बातें कर रहे थे. अचानक, सम्राट ने अपना हाथ उठाकर इशारा किया. भीड़ एकदम चुप हो गई, और सब तरफ सन्नाटा छा गया.
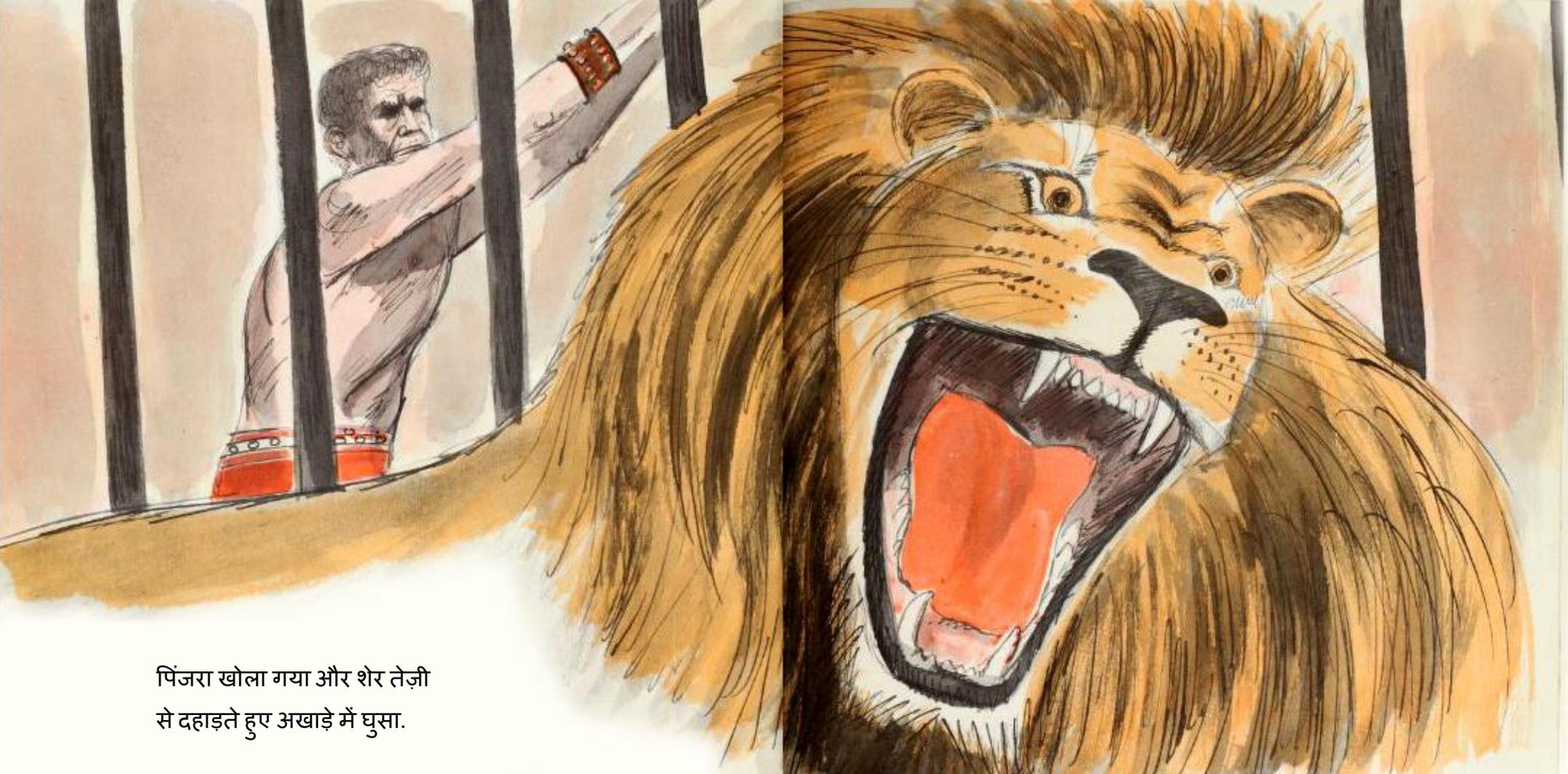
पिंजरा खोला गया और शेर तेज़ी
से दहाड़ते हुए अखाड़े में घुसा.

एन्ड्रोक्लीज़ कांप उठा.

वहां कहीं भागने की जगह नहीं थी,

और दूर-दूर तक कोई छिपने की जगह नहीं थी.

शेर ने इधर-उधर देखा और फिर एक

भयानक दहाड़ के साथ वो गुलाम की ओर लपका.

"मेरा अंत करीब है," एन्ड्रोक्लीज़ ने सोचा.

छटपटाहटे हुए उसने अपनी आँखें बंद करके शेर

का सामना किया. फिर वो अपने अंत का इंतजार

करने लगा.

तभी, अचानक शेर की गर्जना बंद हो गई.
शेर के पंजों ने एन्ड्रोक्लीज़ के शरीर को नहीं चीरा.
शेर के दांत उसकी त्वचा में नहीं घुसे.
केवल एक खुरदरी, गीली, जीभ ने एन्ड्रोक्लीज़ को
सिर से पाँव तक चाटा.
वो गुफा वाला, उसका दोस्त शेर निकला.
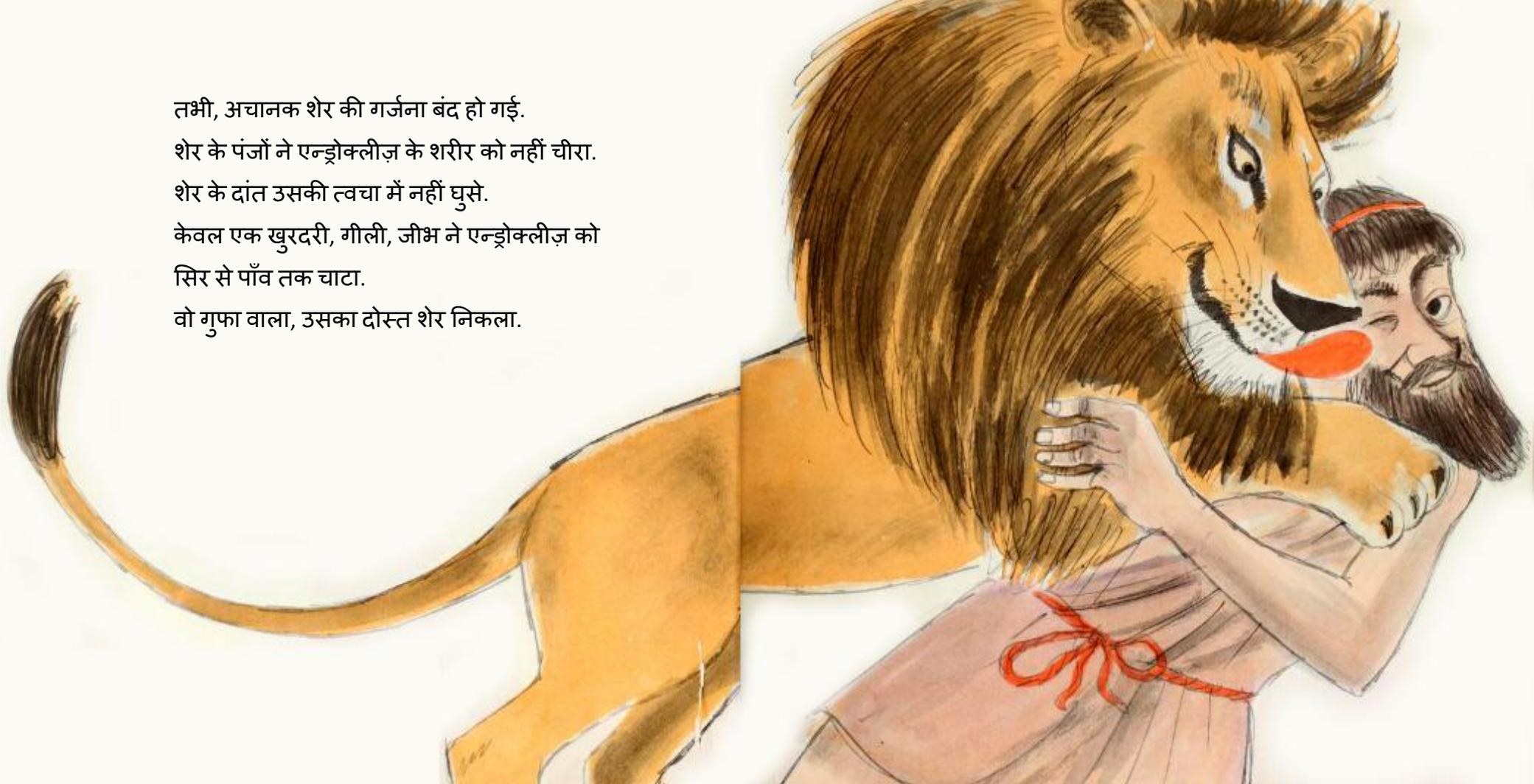
"हुर्रे!" भीड़ चिल्लाई.
"क्या बात है!
गुलाम को मुक्त करो!
शेर को छोड़ दो!"
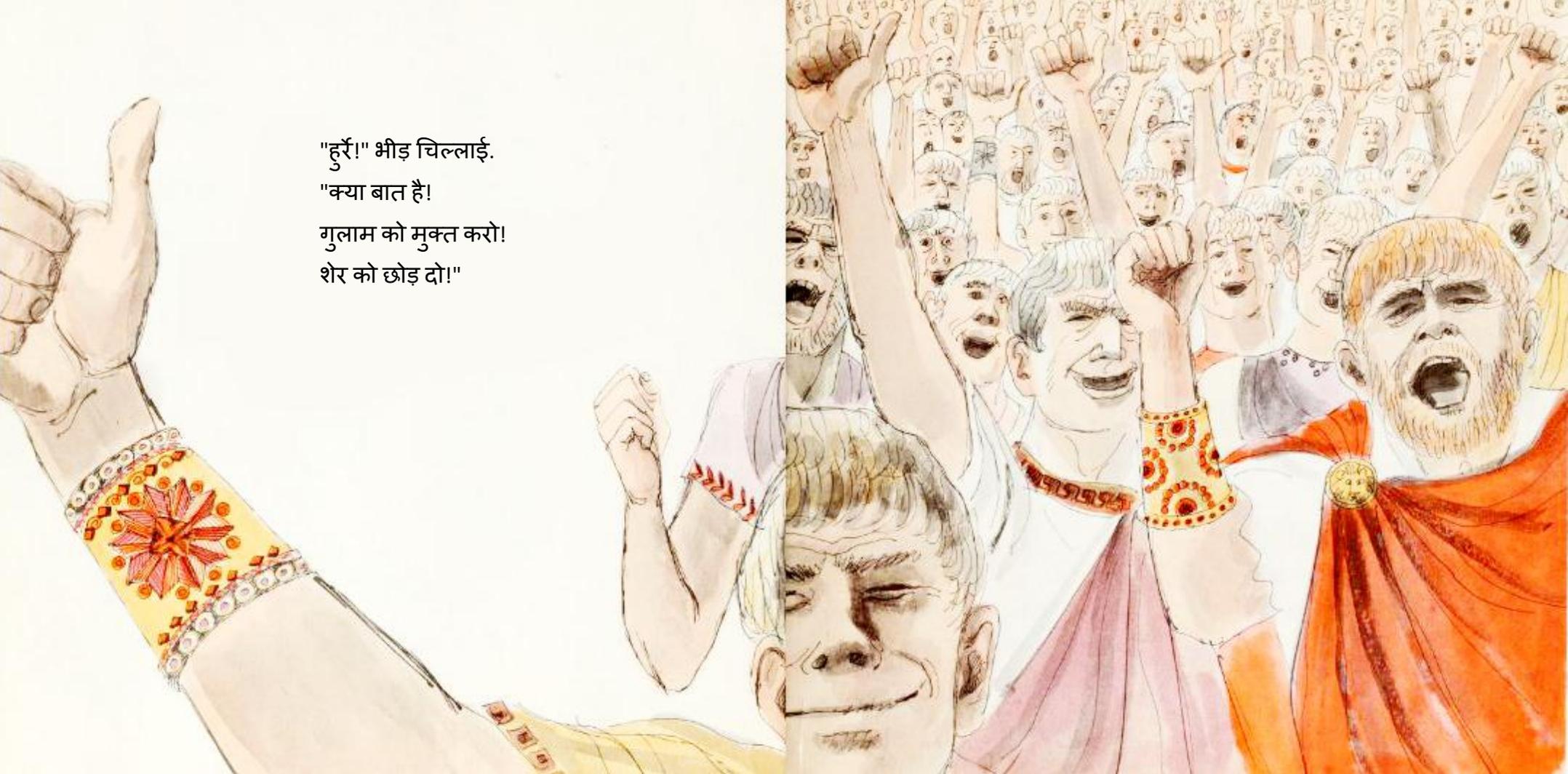
सम्राट चकित रह गया.
उन्होंने एन्ड्रोक्लीज़ को अपने सामने
बुलवाया और उसकी कहानी सुनी.
"सब ठीक है महामहिम," एन्ड्रोक्लीज़ ने
अपनी कहानी शुरू की.
फिर एन्ड्रोक्लीज़ ने जंगल में जो कुछ हुआ
उसकी कहानी सम्राट को सुनाई.
फिर सम्राट ने अपने गुलाम एन्ड्रोक्लीज़ और
उसके दोस्त शेर दोनों को मुक्त करने का
फैसला लिया.

फिर वे एक-साथ जंगल की ओर चले.

अंत